

# तेल कीमतों में 10 प्रतिशत की गिरावट

डब्ल्यूटीआई और ब्रेट क्रूड में क्रमशः 10 और 7 प्रतिशत तक की तेजी

वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 94 डॉलर पर, ब्रेट 102 डॉलर



एक्सियस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले 48 घंटों में समझौते में बड़ी प्रगति हो सकती है. इस उम्मीद ने तेल बाजार में उतार-चढ़ाव की अपेक्षा पैदा कर दी है. निवेशक अब कम तनाव के वातावरण में तेल की आपूर्ति और खाड़ी सुरक्षा के विषय पर ध्यान दे रहे हैं. इस घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि खाड़ी तनाव और जियो-पॉलिटिकल घटनाएँ सीधे वैश्विक ऊर्जा बाजार को प्रभावित करती हैं. समझौते के सकारात्मक संकेतों ने निवेशकों को राहत दी है, लेकिन बाजार में अस्थिरता बनी हुई है. डब्ल्यूटीआई और ब्रेट क्रूड दोनों ही इंडेक्स अभी भी वैश्विक तेल आपूर्ति और सुरक्षा की परिस्थितियों पर नजर रख रहे हैं.

टेक्सास इंटरमीडिएट शुरुआती कारोबार में लगभग 10 प्रतिशत गिरकर 94.32 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया. वहीं अंतरराष्ट्रीय ब्रेट क्रूड करीब 7 प्रतिशत गिरकर 102.14 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. हालांकि, बाद में दोनों ही इंडेक्स थोड़ा संभलकर क्रमशः डब्ल्यूटीआई लगभग 96 डॉलर और ब्रेट 103 डॉलर प्रति बैरल के आसपास ट्रेड कर रहे थे. निवेशकों और व्यापारियों का कहना है कि यह तेजी खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम होने के संकेतों के कारण आई है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को रद्द कर दिया, जो एक नौसैनिक अभियान था और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था.

## एप्पल हरित ऊर्जा में करेगा 100 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली, 7 मई. अमेरिकी की टेक कंपनी एप्पल ने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा में 100 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है. कंपनी ने गुरुवार को बताया कि वह देश की अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक क्लीनमैक्स के साथ सहयोग कर रही है. एप्पल का शुरुआती 100 करोड़ रुपये का निवेश 150 मेगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करने में मदद करेगा. इससे हर साल लगभग 1.5 लाख भारतीय घरों को बिजली मिल सकेगी. भविष्य में निवेश बढ़ाने की भी संभावना है. एप्पल ने इससे पहले भी एप्पल ने क्लीनमैक्स के साथ मिलकर रूफटॉप सौर परियोजनाओं पर काम किया था, ताकि देश में एप्पल के कार्यालयों और रिटेल स्टोर को शत-प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित किया जा सके. अमेरिकी कंपनी का लक्ष्य साल 2030 तक अपने पूरे संचालन को कार्बन निरपेक्ष बनाने का है. एप्पल में पर्यावरण एवं आपूर्ति श्रृंखला नवाचार को उपायधक सारा चैंडलर ने कहा कि पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता नवाचार की एक प्रेरक



शक्ति भी है जो कंपनी के भीतर और दुनिया भर में है. हमें भारत की स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था में निवेश बढ़ाने और देश के बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने के अपने प्रयासों का विस्तार करने पर गर्व है.

एप्पल इसके अलावा डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के साथ मिलकर ऐसे पुनर्चक्रण और कचरा प्रबंधन कार्यक्रमों में समर्थन दे रही है, जो पर्यावरणीय और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं. गोवा में कचरा प्रबंधन क्षेत्र की अग्रणी संस्था साहस जीरो वेस्ट के साथ डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के सहयोग को आगे बढ़ाते हुए, यह मॉडल ऐसी सुविधाएं स्थापित करता है जो पुनर्चक्रण योग्य सामग्रियों को पूर्ण ट्रेसिबिलिटी के साथ एकत्रित करती हैं, उनकी छंटाई करती हैं और उनसे काम लायक चीजों को निकालती हैं.

एप्पल अब इस मॉडल को कोयंबटूर सहित नये क्षेत्रों में स्थानीय प्रशासन, समुदायों और कचरा श्रमिकों के साथ मिलकर विस्तार दे रही है. एक नयी साझेदारी के तहत एकूनेन के माध्यम से एप्पल शुरुआती चरण के हरित उद्यमों का भी समर्थन कर रही है. इसके तहत छह हरित उद्यमों को अनुदान दिया जायेगा, जो कचरा प्रबंधन, चक्रीय अर्थव्यवस्था एवं उपभोग, और पुनर्नवीनीकरण तथा आजीविका जैसे क्षेत्रों में समाधान विकसित कर रहे हैं.

## इमामी 321 करोड़ में खरीदेगी इंकनट की 60 फीसदी हिस्सेदारी

कोलकाता, 07 मई. सौंदर्य प्रसाधन और स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद बनाने वाली देश की अग्रणी एफएमसीजी कंपनी इमामी ने इंकनट डिजिटल तथा उसकी सहायक एवं संबद्ध कंपनियों में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेगी. इमामी ने गुरुवार को बताया कि इसके लिए दोनों कंपनियों ने एक पक्का समझौता किया है. इस अधिग्रहण के लिए 321 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी, जिसमें 24 महीने के दौरान प्रदर्शन-आधारित समायोजन शामिल हैं. इसके अलावा, इमामी अगले साढ़े चार साल में दो चरणों में इंकनट डिजिटल की को शेयर हिस्सेदारी भी अधिग्रहित करेगी. इस हिस्सेदारी का मूल्य भविष्य के प्रदर्शन के आधार पर तय किये गये मानकों के अनुसार निर्धारित किया जायेगा.

## सिलेंडर के व्यावसायीकरण में सरकार करेगी मदद

टाइप-4 कंपोजिट सिलेंडर: हल्के, सुरक्षित और स्वदेशी  
वजन 75 प्रतिशत तक कम, कार्बन उत्सर्जन में कमी

नई दिल्ली, 07 मई. केंद्र सरकार के ड्रिविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने टाइप-4 सीएनजी सिलेंडरों के व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली स्थित एनटीएफ एनजी सॉल्यूशंस के साथ समझौता किया है.

यह कदम स्वच्छ ऊर्जा परिवहन को बढ़ावा देने, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और स्वदेशी विनिर्माण को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है. इस परियोजना के तहत टाइप-4



कंपोजिट सीएनजी सिलेंडरों का उत्पादन किया जाएगा. इनमें अत्याधुनिक फिलामेंट वाइरिंग, ब्लो मॉल्डिंग और उच्च दबाव परीक्षण तकनीक का इस्तेमाल होगा. टाइप-4 सिलेंडर पारंपरिक स्टील सिलेंडरों की तुलना में 75 प्रतिशत हल्के होते हैं, जिससे वाहन दक्षता बढ़ती है और पर्यावरण पर प्रभाव कम होता है. इसके अलावा, ये सिलेंडर जंग-रोधी पॉलीमर लाइनर, अनुकूलित सीएफआरपी लेआउट और उन्नत

टीडीबी के सचिव राजेश कुमार पाठक ने कहा कि उन्नत टाइप-4 कंपोजिट सिलेंडरों का विकास और व्यावसायीकरण देश की स्वच्छ परिवहन अवसंरचना और स्वदेशी विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. एनटीएफ एनजी सॉल्यूशंस के प्रबंध निदेशक नवीन जैन और निदेशक नमन जैन ने टीडीबी के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सहायता हल्के कंपोजिट सिलेंडरों के व्यावसायीकरण में तेजी लाने में मदद करेगी.

मैकेनिकल लॉकिंग सिस्टम से तैयार किए जाएंगे, ताकि सुरक्षा और टिकाऊपन सुनिश्चित किया जा सके.

## ओबेन इलेक्ट्रिक ने लॉन्च की रोर ईवीओ मात्र 99,999 रुपये में

बुकिंग सिर्फ 777 रुपए में खुली नवभारत, जबलपुर। भारत की घरेलू अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) आधारित इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल निर्माता, ओबेन इलेक्ट्रिक ने गुरुवार को बिजनेस नई रोर ईवीओ को पहले 10,000 ग्राहकों के लिए 99,999 रुपये (एक्स-शोरूम) की विशेष शुरुआती कीमत पर लॉन्च करने की घोषणा की है। जिसके बाद इसकी कीमत 1,24,999 रुपये (एक्स-शोरूम) होगी। बुकिंग अब मात्र 777 रुपये पर खुली है, और जून 2026 से ओबेन के देश भर में स्थित 150 शोरूमों पर टेस्ट राइड और ग्राहकों को डिलीवरी शुरू होने वाली है। इस श्रेणी में एक स्पष्ट बदलाव लाने वाली, रोर ईवीओ में डिजाइन, प्रदर्शन और कार्यक्षमता को एक सुगठित पैकेज में रखा गया है, जो इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल से

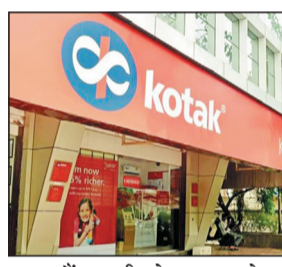


सवारों की अपेक्षाओं को फिर से परिभाषित करती है। 10-40 किमी/घंटा की रफ्तार 3 सेकंड में, 110 किमी/घंटा की टॉप स्पीड, और 180 किमी आईडीसी रेंज, साथ ही 90 मिन्ट में 0-80 किलोमीटर प्रति घंटा प्रदान करने की खूबी इसे विशेष बनाती है। सिगल-स्टेज चैन ड्राइव और एलएफपी डेट्रो के साथ प्रोग्रामेबल 9 मोटर द्वारा संचालित सेमि-ऑटो की सबसे लंबी सीट और मोटरसाइकिल में पहली बार 10 लीटर स्टोरेज के साथ बॉल स्ट्रीटफाइटर डिजाइन तैयार की गई है। रोर ईवीओ इस सोच के साथ बनाई गई है कि

राइडर्स को रोमांच और जरूरत के बीच समझौता न करना पड़े। इसे असली सड़कों की हर जरूरत को ध्यान में रखकर एक पूर्ण, बिना समझौते वाली मोटरसाइकिल के रूप में तैयार किया गया है। इसका आउटफिट स्ट्रीटफाइटर डिजाइन, दमदार परफॉर्मेंस और सोच-समझकर जोड़े गए फीचर्स इसे बनाने में मजबूत और रोजाना इस्तेमाल के लिए बेहद आसान बनाते हैं। पहली नजर में, रोर ईवीओ अपनी बॉल्ड, मस्कूलर बनावट और प्रभाषाशाली रंगों के साथ अलग दिखती है। इसके सामने के हिस्से को सिग्नेचर फ्रंट पोजीशन लैंप के साथ प्रोजेक्टर हेडलैंप द्वारा परिभाषित किया गया है, जो रोजमर्रा की सवारी की स्थितियों के लिए एक मजबूत दृश्य प्रदान और बेहतर दृश्यता दोनों प्रदान करता है। तराशे हुए ब्लैक पैनेल, प्रीमियम विवरण और एक संतुलित सिन्ड्रोम इसकी शैली पर उभरती है और अधिक मजबूत करते हैं।

## आरबीआई ने कोटक को दी फाइनेंस में हिस्सेदारी

कोटक महिंद्रा रुप अब बैंक में बड़ा निवेशक बन सकता है  
मार्च तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट 65 प्रतिशत बढ़ा



मुंबई, 7 मई. एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया है कि कोटक महिंद्रा बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक से बैंक में 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी मिल गई है. कोटक महिंद्रा बैंक, उसकी सहायक कंपनियों और फंड मिलाकर 'कोटक महिंद्रा ग्रुप'

अब बैंक की पेड-अप शेयर कैपिटल या वोटिंग अधिकार का 9.99 प्रतिशत तक होल्डिंग कर सकते हैं. मार्च तिमाही के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार, कोटक फ्लेक्सिकैप फंड के पास पहले से ही बैंक में 1.60 प्रतिशत हिस्सेदारी मौजूद थी. एयू बैंक के



व्लेटफॉर्म है. यह उद्यमों के लिए आघात, नियमों के अनुरूप सुरक्षा प्रणाली उपलब्ध कराता है. कंपनी का दावा है कि एयरटेल सिक्वोर वर्कफोर्स उद्यमों को कम लागत में आवश्यक सुरक्षा प्रदान करेगा. साथ ही, यह संगठनों को अपने सुरक्षा उपाय खुद बनाने और चलाने के परिचालन बोझ से भी मुक्त करेगा. यह समाधान उपयोगकर्ताओं, उपकरणों, नेटवर्क, एप्लिकेशन और डाटा से जुड़े एंडपॉइंट्स को सुरक्षित करेगा.

## समाचार विशेष

### ममता की विदाई, वाम को नई उम्मीद

बंगाल की राजनीति में फिर से अपनी जमीन तलाश रहे वाम दल  
कोलकाता. बेगानी शादी में अब्दुल्ला खान. बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के साथ सचिवार को एक और तस्वीर उभरकर सामने आई, वो थी माकपा कार्यकर्ताओं के जश्न की. यह जश्न सीधे जीत का नहीं, बल्कि राजनीतिक संतुलन के बदलते संकेतों का था. पार्टी कार्यालयों में भीड़, नारेबाजी और उत्साह ने इस बात का संकेत दिया कि वाम खेमे के लिए यह सिर्फ सीटों का खेल नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक लड़ाई में वापसी का क्षण है. दोपहर में भाजपा की जीत के संकेत से ही कोलकाता से लेकर जिलों तक माकपा के दफ्तरों में आम असामान्य हलचल देखने को मिली. जैसे-जैसे रुझान आने लगे, कार्यकर्ताओं का जमावड़ा बढ़ता गया. दिलचस्प बात यह कि माकपा को सिर्फ एक सीट मिली है.

### उत्साह के पीछे रणनीतिक सोच

विश्लेषकों का मानना है कि माकपा का यह उत्साह प्रतीकात्मक जरूर है, लेकिन इसके पीछे एक रणनीतिक सोच भी है. भाजपा की जीत और तुणमूल की हार, दोनों ही परिस्थितियाँ वामपंथ के लिए राजनीतिक जगह खोल सकती हैं. सत्ता परिवर्तन के बाद विपक्ष की नई भूमिका में वाम दल अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश करेगी. अंततः बंगाल की राजनीति में यह दृश्य एक दिलचस्प मोड़ को दर्शाता है-जहां तीसरा खिलाड़ी भी अपनी वापसी की टापकथा लिखने की कोशिश में जुटा है. बता दें कि टीएमसी सुप्रीमो ममता 2011 में माकपा के 34 वर्षों के लंबे शासन को उखाड़ फेंक बंगाल की सत्ता पर काबिज हुई थीं. लेकिन तुणमूल कांग्रेस की संभावित कमजोरी को वाम खेमे अपने लिए अवसर के रूप में देख रहा है.

### विशेष बीजेपी खेलेगी 'सराइज कार्ड', सीएम फेस पर सस्पेंस!

## पश्चिम बंगाल में सुवेंदु नहीं तो कौन?



कोलकाता. पश्चिम बंगाल में भाजपा ने रिकॉर्डतोड़ जीत हासिल की है. अब इसके बाद सबसे बड़ा पेच मुख्यमंत्री की सीट पर फंसता दिखाई दे रहा है. अक्सर ऐसा देखा गया है कि

किसी राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद किसी बड़े नेता को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा जाता है. इसका उद्देश्य सीएम-डिप्टी सीएम समेत अन्य मामलों में फंस रहे पेच को सुलझाने का होता है. हाल में अमित शाह के बंगाल जाने की खबर सामने आ रही है. सियासी पंडितों की मानें तो शाह का बंगाल जाना किसी बड़ी एंक्टिविटी का संकेत हो सकता है. सीएम कैडिडेट की लिस्ट में सुवेंदु अधिकारी का नाम सबसे ऊपर है. सियासी हलकों में भी यही हाल देखने को मिल सकता है. अक्सर देखा गया कि

### पंजाब में बंगाल दोहराने के सपने

चंडीगढ़. भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल की जीत से पहले पंजाब में पत्ते बिछाने शुरू कर दिए थे. उसने आम आदमी पार्टी के छह राज्यसभा सांसदों को अपनी पार्टी में शामिल कराया. इनमें से चार सांसदों का कोई खास मतलब नहीं है लेकिन दो सांसद राधव चड्ढा और संदीप पाठक का मतलब है. संदीप पाठक ने आम आदमी पार्टी को पिछला पंजाब चुनाव लड़ाया था. पाठक और चड्ढा ने मिल कर उम्मीदवार तय किए थे और चुनाव की रणनीति बनाई थी. अब ये दोनों भाजपा के साथ हैं. इस बीच भाजपा पश्चिम बंगाल का चुनाव जीत गई है. लंबे समय से यह माना जा रहा था कि भाजपा के लिए बंगाल जीतना मुश्किल है क्योंकि बंगाल की भाषा और संस्कृति के साथ उसका तालमेल नहीं बैठता है. लेकिन अब जबकि भाजपा जीत गई है तो उसके नेता पंजाब की तैयारी में लग गए हैं. कहा जा रहा है कि पंजाब में भाषा और संस्कृति का बैरियर भाजपा वैसे ही तोड़ देगी, जैसे बंगाल में तोड़ा है. हालांकि यह बहुत महत्वाकांक्षी चड्ढा है लेकिन भाजपा के नेताओं का कहना है कि उसने वह कोड क्रैक कर लिया है, जिससे भाषा और संस्कृति को बाधा पार की जाती है.

## केरल में भाजपा की बढ़त से सीपीआई घबराई

तिरुवनंतपुरम. केरल विधानसभा चुनाव में भाजपा के तीन सीटें जीतने पर सीपीआई के राज्य सचिव विनॉय विश्वम ने चिंता जताई. उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की बढ़ती मौजूदगी को सभी धर्मनिरपेक्ष दलों को गंभीरता से लेना चाहिए, क्योंकि राजनीति के लिए खतरे की घंटी है. मीडिया से बातचीत में विनॉय विश्वम ने कहा कि भाजपा सिर्फ तीन सीटें जीतकर ही नहीं रुकी, बल्कि छह अन्य विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे स्थान पर भी रही. उनके मुताबिक यह संकेत है कि दक्षिणपंथी राजनीति का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है और इसका असर केवल केरल तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में दिखाई दे रहा है.

### कमियों का करेंगे अध्ययन

विनॉय विश्वम ने कहा कि हम गंभीरता से यह अध्ययन करेंगे कि हमारी कमियां क्या रही और हम कहां चूके. उसके बाद जरूरी सुधार और बदलाव किए जाएंगे. उन्होंने बताया कि राज्य की सभी 140 विधानसभा सीटों के नतीजों का विस्तृत विश्लेषण किया जाएगा. सीपीआई नेता ने यह भी स्पष्ट किया कि चुनावी हार के बावजूद हम राज्य की राजनीति से पीछे हटने वाले नहीं हैं. उन्होंने कहा कि जनता के बीच काम करते हुए ही वाम दल आगे बढ़ेगा. बता दें कि केरल विधानसभा चुनाव ने पहली बार राज्य में तीन सीटें जीतकर अपनी मौजूदगी मजबूत की.